पहले ही मैच में गोल दागकर चमकी साक्षी राणा, बोलीं- लक्ष्य था डेब्यू मैच में स्कोर करना

नई दिल्ली

महज 17 साल की उम्र में भारतीय हॉकी टीम में जगह बनाने वाली साक्षी राणा ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 में शानदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में खेले गए इस टूर्नामेंट में साक्षी ने अपने सीनियर इंटरनेशनल करियर का आगाज किया और पहले ही मैच में स्पेन के खिलाफ बेहतरीन फील्ड गोल दागकर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई।

पहले ही मैच में मिले मौके को साक्षी ने पूरी तरह भुनाया, हालांकि भारतीय टीम को इस मुकाबले में 3-4 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद उन्होंने स्पेन और जर्मनी के खिलाफ भी भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया।

डेब्यू का बेसब्री से इंतजार था

अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय सीनियर प्रतियोगिता के अनुभव को साझा करते हुए साक्षी ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, 'मैं लंबे समय से अपने डेब्यू का इंतजार कर रही थी, इसलिए यह दिन मेरे लिए बेहद खास था। मुझे ज्यादा घबराहट नहीं हुई क्योंकि सीनियर खिलाड़ियों ने मुझे पूरा समर्थन दिया और कहा कि पहले मैच में कोई गलती नहीं होती, बस खुलकर खेलना है।'

साक्षी का यह गोल उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा का शानदार उदाहरण था। उन्होंने विपक्षी टीम पर आक्रामक प्रेसिंग की, सही समय पर टैकल कर गेंद छीनी और फिर बैकहैंड शॉट मारते हुए गेंद को गोल में पहुंचा दिया। इस खास लम्हे को याद करते हुए साक्षी ने कहा, 'मेरा लक्ष्य था कि डेब्यू मैच में ही स्कोर करूं, इसलिए मैं पूरी तरह से तैयार थी। जब मैंने गेंद छीनी और देखा कि मेरे आसपास कोई नहीं है, तो मैंने तुरंत शॉट मारा। जैसे ही गोल हुआ, स्टेडियम में शोर गूंज उठा और मुझे अहसास हुआ कि मैंने गोल कर दिया है। यह मेरे लिए अविस्मरणीय क्षण था।'

कोच हरेंद्र सिंह ने दिखाया भरोसा

टीम चयन के दौरान साक्षी को शुरुआत में स्टैंडबाय सूची में रखा गया था, लेकिन मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने उनके हुनर और मेहनत को पहचानते हुए उन्हें अंतिम टीम में शामिल कर लिया। इस पर साक्षी ने कहा, 'जब उन्होंने (हरेंद्र सिंह) मुझे बताया कि मैं खेलने जा रही हूं, तो उन्होंने कहा कि वे मुझे नहीं, बल्कि मेरे खेल को चुन रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मुझे गोल करने का मौका मिलेगा और सीनियर खिलाड़ी मेरी मदद करेंगे। जब मैंने गोल किया, तो कोच ने मुझे गले लगाया, जो मेरे लिए बेहद खास पल था।'

अब लक्ष्य जूनियर वर्ल्ड कप जीतना

अपने प्रदर्शन से आत्मविश्वास हासिल करने के बावजूद साक्षी को लगता है कि उन्हें अपनी गति पर और मेहनत करनी होगी। उन्होंने कहा, 'मैंने हाल ही में हॉकी इंडिया लीग और प्रो लीग में विदेशी खिलाड़ियों के खिलाफ खेला है और महसूस किया कि अब खेल पूरी तरह गति पर निर्भर करता है। खासकर, एक फॉरवर्ड खिलाड़ी होने के नाते मुझे और तेज होना होगा, इसलिए अब मैं अपनी स्पीड पर काम करूंगी।'

साक्षी भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम का अहम हिस्सा थीं, जिसने पिछले साल जूनियर एशिया कप में स्वर्ण पदक जीता था। अब उनकी नजरें इस साल चिली में होने वाले जूनियर वर्ल्ड कप पर टिकी हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा पूरा फोकस जूनियर वर्ल्ड कप पर है और मैं इसके लिए कड़ी मेहनत कर रही हूं। निरंतर अभ्यास और समर्पण के साथ, मेरा लक्ष्य भारत के लिए एक और पदक जीतने में योगदान देना है।'

न्यूज ब्रीफ

चैंपियंस ट्रॉफी : विज्ञापन बाजार में मची हलचल, दरें रिकार्ड स्तर पर

नई दिल्ली। आगामी 9 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बड़े मुकाबले के नतीजे का तो इंतजार है, लेकिन इससे पहले ही विज्ञापन बाजार में हलचल मच चुकी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फाइनल मैच के लिए 10 सेकंड के विज्ञापन स्लॉट की कीमतें 40 लाख रुपये से ज्यादा हो गई हैं।

इस हाई-वोल्टेज मैच से पहले टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर विज्ञापन दरें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं, जिससे ब्रॉडकास्टरों और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को भारी मुनाफा होने की संभावना है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर विज्ञापन की दरें 725 रुपये प्रति हजार इंप्रेशन (सीपीएम) तक पहुंच गई हैं। वहीं, भारत के अन्य मैचों के दौरान यह दरें 500 रुपये प्रति 10 सेकंड तक थीं, लेकिन फाइनल के चलते यह तेजी से बढ़ी हैं। रन ऑफ साइट (आओएस) विज्ञापनों की दरें भी 575 रुपये तक पहुंच चुकी हैं। विज्ञापन इंडस्ट्री के विशेषज्ञों के अनुसार, आठ साल बाद लौट रही चैंपियंस ट्रॉफी को दर्शक एक मिनी वर्ल्ड कप की तरह देख रहे हैं, जिससे दर्शकों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है। एनवी कैपिटल के मैनेजिंग पार्टनर विवेक मेनन का कहना है कि भारत के फाइनल में पहुंचने से विज्ञापन बाजार में जबरदस्त उछाल आया है। टूर्नामेंट के पहले कुछ मैचों में ही विज्ञापन दरों में तेजी देखी गई थी, लेकिन जैसे-जैसे भारत आगे बढ़ता गया, वैसे-वैसे ब्रांड्स ने अपनी निवेश राशि को बढ़ा दिया। भारत-पाकिस्तान मैच के दौरान तो विज्ञापन स्लॉट की कीमतें 50 लाख रुपये प्रति 10 सेकंड तक पहुंच गई थीं, जो अब फाइनल के लिए लगभग उसी स्तर पर हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी में पाकको लगे झटके पे झटके, करोड़ों का हुआ नुकसान

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हुए पाकिस्तान को एक और झटका लगा है। करीब 30 साल बाद पाकिस्तान को चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी मिली थी और वह लीग चरण में ही टूर्नामेंट से बाहर हो गया। दूसरी और विज्ञापनों से होने वाली मोटी कमाई से भी पाकिस्तान महरूम रह गया। 3 दशक बाद किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी मिलने से पाकिस्तान को मोटी कमाई की उम्मीद थी, लेकिन उसे भारत से दुश्मनी का खामियाजा भुगतना पड़ा। पहले तो भारत के पाकिस्तान में खेलने नहीं जाने की वजह से विज्ञापनों की कमाई पर असर पड़ा और फिर उसके टूर्नामेंट से बाहर होने की वजह से स्टेडियम खाली रहे। इस पर भी पाकिस्तान को उम्मीद थी कि ऑस्ट्रेलिया भारत को सेमीफाइनल में हरा देगा तो फाइनल मैच पाकिस्तान में खेला जाएगा। इससे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को मोटा पैसा मिलेगा, लेकिन भारत ने इस उम्मीद पर भी पानी फेर दिया और पीसीबी को करोड़ों का नुकसान हुआ। भारतीय टीम ने अपने सभी चारों मैच दुबई में खेले जिससे पीसीबी को 156 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। अब फाइनल भी पाकिस्तान में न होकर दुबई में खेला जाएगा, जिससे पीसीबी को और 39 करोड़ रुपए का नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है। इस तरह पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को कुल 195 करोड़ रुपए का नुकसान होगा। रही-सही कसर बारिश ने पूरी कर दी।

महिला प्रीमियर लीगः मुंबई इंडियंस ने यूपी वारियर्स को छह विकेट से हराया

लखनऊ। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के 16वें मैच में मुंबई इंडियंस ने यूपी वॉरियर्स को छह विकेट से हरा दिया है। लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए यूपी वॉरियर्स ने 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 150 रन बनाए। टीम की ओर से जॉर्जिया वोल ने 33 गेंदों पर 55 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली, लेकिन अन्य बल्लेबाज उनका साथ देने में असफल रहीं। मुंबई इंडियंस की गेंदबाजों ने सधी हुई गेंदबाजी का प्रदर्शन किया, जिससे यूपी वॉरियर्स बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रही। मुंबई के लिए अमिलिया केर ने पांच विकेट चटकाए, जबकि हेली मैथ्यूज को दो सफलता मिली। वहीं, नैट सीवर ब्रंट और परुनिका सिसोदिया ने एक-एक विकेट अपने नाम किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस ने 18.3 ओवर में 4 विकेट खोकर 153 रन बनाकर मैच जीत लिया। सलामी बल्लेबाज हीली मैथ्यूज ने 46 गेंदों पर 68 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली, जिससे टीम को मजबूत शुरुआत मिली। उनकी इस पारी ने जीत की नींव रखी, जिसे मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने सफलतापूर्वक पूरा किया। नैट सिवर ने 37 रन की अहम पारी खेली। यूपी वारियर्स के लिए ग्रेस हैरिस ने दो विकेट अपने नाम किए. जबकि हैनरी और क्रांति गौड़ को एक-एक विकेट मिला।

सुनील छेत्री ने संन्यास तोड़कर की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम में वापसी

नई दिल्ली

भारत के सर्वकालिक शीर्ष गोलस्कोरर और पूर्व कप्तान सुनील छेत्री ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास तोड़ते हुए मार्च में होने वाली अंतरराष्ट्रीय विंडो में मालदीव और बांग्लादेश के खिलाफ खेलने का फैसला किया है।

40 वर्षीय छेत्री ने पिछले साल जून में फीफा वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायर में कुवैत के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की थी।

मालदीव और बांग्लादेश के खिलाफ खेलेंगे

94 अंतरराष्ट्रीय गोलों के साथ, वह पुरुष फुटबॉल में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में चौथे स्थान पर हैं, उनसे ऊपर केवल क्रिस्टियानो रोनाल्डो, लियोनेल मेसी और अली डेई हैं। हालांकि, उन्होंने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में बेंगलुरु एफसी के लिए खेलना जारी रखा और 12 गोल दागकर इस सीजन में लीग के शीर्ष भारतीय गोलस्कोरर बने।

उन्होंने बेंगलुरु एफसी के लिए 23 मैच खेले हैं, जिनमें से 17 में वह शुरुआती एकादश में थे और कुल 14 गोलों में योगदान दिया, जिसमें दो असिस्ट शामिल हैं। गोल्डन बूट की दौड़ में दूसरे स्थान पर काबिज छेत्री ने बेंगलुरु एफसी को प्लेऑफ में पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जबकि पिछले सीजन में टीम तीसरे स्थान से नीचे रही थी।

संन्यास के बाद छेत्री ने स्पष्ट किया था, 'संन्यास का निर्णय शारीरिक कारणों से नहीं था। मैं अब भी फिट हूं, दौड़ रहा हूं, बचाव कर रहा हूं और कड़ी मेहनत कर रहा हूं। यह निर्णय मानसिक पहलुओं से जुड़ा था।'

भारत को एएफसी एशियन कप 2027 क्वालिफायर में बांग्लादेश, हांगकांग (चीन) और सिंगापुर के साथ समूह में रखा गया है। भारत इस महीने 19 मार्च को शिलांग के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में मालदीव के खिलाफ दोस्ताना मैच के साथ अपना अभियान शुरू करेगा, इसके बाद तीसरे दौर के क्वालिफायर में बांग्लादेश का सामना करेगा।

भारतीय टीम के मुख्य कोच मनोलो मार्केज़ ने एक बयान में कहा, 'एशियन कप के लिए क्वालीफाई करना हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। टूर्नामेंट और आगामी मैचों के महत्व को देखते हुए, मैंने सुनील छेत्री से वापसी को लेकर चर्चा की। उन्होंने सहमति जताई, और इसलिए हमने उन्हें टीम में शामिल किया है।'

पिछले एशियन कप में भारत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था, जहां टीम ग्रुप स्टेज में तीनों मुकाबले हारकर बाहर हो गई थी। अब जब छेत्री टीम में वापस आ गए हैं और अपनी तीसरी एशियन कप उपस्थिति की उम्मीद कर रहे हैं, यह देखना दिलचस्प होगा कि कोच मार्केज़ उन्हें पारंपरिक नंबर 9 के रूप में खिलाते हैं या प्रभावशाली विकल्प के रूप में उपयोग करते हैं।

भारतीय टीम इस प्रकार है

गोलकीपर: अमरिंदर सिंह, गुरुमीत सिंह, विशाल कैथ।

डिफेंडर: आशीष राय, बोरिस सिंह थांगजाम, चिंगलेनसाना सिंह कोनशाम, हिंगथनमाविया, मेहताब सिंह, राहुल भेके, रोशन सिंह, संदेश झिंगन, सुभाशीष बोस।

मिडफील्डर: आशिक कुरुनियन, आयुष देव छेत्री, ब्रैंडन फर्नांडिस, ब्रिसन फर्नांडिस, जेकसन सिंह थौनाओजम, लालेंगमाविया, लिस्टन कोलाको, महेश सिंह नाओरेम, सुरेश सिंह वांगजम।

फॉरवर्ड : सुनील छेत्री, फारुख चौधरी, इरफान यदवद, लालियानजुआला चांगटे, मनवीर सिंह।

इंडोनेशिया ने 2026 वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स के लिए तीन फुटबॉलरों को नागरिकता प्रदान की

जकार्ता। इंडोनेशियाई फुटबॉल संघ (पीएसएसआई) ने 2026 फीफा वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स के तीसरे दौर से पहले राष्ट्रीय टीम को मजबूत करने के लिए तीन इंडोनेशियाई मूल के खिलाड़ियों को नागरिकता प्रदान की। संघ ने एक प्रेस विज्ञप्ति में इस बात की घोषणा की। संघ के बयान के अनुसार, इंडोनेशियाई संसद ने डीन रुबेन जेम्स, जोई मैथियस पेलुपेसी और एमिल ऑडेरो मुल्यादी की नागरिकता अनुरोध को मंजूरी दे दी। अगले चरण में, इन खिलाड़ियों के नागरिकता दस्तावेज राष्ट्रपति प्रबावो सुबियांतो को सौंपे जाएंगे, ताकि राष्ट्रपति की ओर से एक औपचारिक डिक्री जारी की जा सके, जो उन्हें इंडोनेशियाई नागरिक के रूप में शपथ लेने की अनुमति देगा। पीएसएसआई की कार्यकारी समिति के सदस्य आर्य सिनुलिंग्गा के अनुसार, राष्ट्रपति प्रबावो शुक्रवार (7 मार्च) को इस डिक्री पर हस्ताक्षर करेंगे। सिनुलिंग्गा ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा,फहमें सूचित किया गया है कि राष्ट्रपति कल (7 मार्च) को इस डिक्री पर हस्ताक्षर करेंगे, जिसके बाद नागरिकता शपथ ग्रहण की प्रक्रिया को 10 मार्च से पहले पूरा कर लिया जाएगा, पीएसएसआई के अध्यक्ष एरिक तोहिर ने संसद को इस प्रक्रिया को मंजूरी देने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि इन तीन खिलाड़ियों के टीम में शामिल होने से इंडोनेशियाई राष्ट्रीय टीम की ताकत बढ़ेगी।

डेविड लॉयड ने डर्बीशायर के कप्तान पद से दिया इस्तीफा

लंदन

डर्बीशायर के हरफनमौला खिलाड़ी डेविड लॉयड ने 2025 सीज़न से पहले क्लब के कप्तान पद से इस्तीफा दे दिया है। लॉयड, जिन्होंने 2023 में ग्लेमॉर्गन से डर्बीशायर का रुख किया था, पिछले साल काउंटी चैंपियनशिप में टीम के कप्तान थे, लेकिन उनकी अगुवाई में डर्बीशायर डिवीजन टू में सबसे निचले स्थान पर रहा और 'वुडन स्पून' प्राप्त किया।

अपने पहले पूर्ण सीज़न में 32 वर्षीय लॉयड ने चैंपियनशिप में बल्ले से 23.47 की औसत और गेंद से 31.00 की औसत से प्रदर्शन किया। उन्होंने बेहतर व्यक्तिगत प्रदर्शन की उम्मीद में कप्तानी छोड़ने का निर्णय लिया है।

डर्बीशायर के हेड ऑफ क्रिकेट मिकी आर्थर नेक्लब की ओर से जारी एक बयान में कहा, 'डेविड ने कप्तानी में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की और वह एक शानदार नेता रहे हैं, लेकिन टीम की अगुवाई करने का मानसिक दबाव, अपने फॉर्म को फिर से हासिल करने की कोशिश, और अपने परिवार के साथ संतुलन बनाए रखना - ये सभी कारण हैं कि उनके लिए यह जिम्मेदारी छोड़ना बेहतर होगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'डेविड मेरे साथ पूरी ईमानदारी से पेश आए। वह टीम के लिए योगदान देने को लेकर बेहद उत्साहित हैं और उनकी अनुभव व नेतृत्व क्षमता ड्रेसिंग रूम और मैदान पर बहुमूल्य साबित होगी। हमें उम्मीद है कि इस सीज़न में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देखने को मिलेगा।'

डर्बीशायर ने 2024 सीज़न से पहले बड़े बदलाव किए थे, जब लॉयड ने लेउस डू प्लॉय के जाने के बाद कप्तानी संभाली थी। हालांकि, टीम के प्रदर्शन में ज्यादा सुधार नहीं हुआ। 2023 में बिना किसी जीत के सीज़न खत्म करने के बाद, 2024 में उन्होंने एकमात्र जीत दर्ज की, छह मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा और अंततः वे अंकतालिका में सबसे नीचे रहे।

हालांकि, यह एक जीत डर्बी में चैंपियनशिप क्रिकेट में पांच साल के सूखे को समाप्त करने में सफल रही।

अपनी कप्तानी छोड़ने के फैसले पर लॉयड ने कहा, 'यह मेरे लिए एक आसान निर्णय नहीं था, लेकिन सर्दियों के दौरान मैंने अपने दोस्तों, परिवार और टीम के साथियों से चर्चा की, और मुझे लगता है कि यह फैसला मुझे अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करेगा।' उन्होंने आगे कहा, 'डर्बीशायर की कप्तानी करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। अब मैं कम दबाव के साथ खेलने के लिए उत्साहित हूं, मिकी और कोचिंग टीम से सीखने के मौके को भुनाना चाहता हूं और हमारे समर्थकों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिखाने की कोशिश करूंगा।' उन्होंने कहा, 'हम चाहते हैं कि टीम सभी प्रारूपों में प्रतिस्पर्धा करे। मैं इसमें अपनी भूमिका निभाने और नए कप्तान की हरसंभव मदद करने के लिए तत्पर हूं।'

जिला स्तरीय जूनियर कुश्ती प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

मुरादाबाद। खेल निदेशालय उप्र लखनऊ के तत्वावधान में क्षेत्रीय खेल कार्यालय, मुरादाबाद द्वारा जिला स्तरीय जूनियर कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन शुक्रवार को नेताजी सुभाषचंद्र बोस सोनकपुर स्टेडियम में किया गया। प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे उत्तर प्रदेश ओलम्पिक संघ के संयुक्त सचिव डॉ अजय पाठक ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। प्रभारी क्षेत्रीय क्रीडा अधिकारी प्रदीप कुमार सक्सेना ने प्रतियोगिता परिणाम की घोषणा करते हुए बताया कि 57 किग्रा प्रथम स्थान पर अभिषेक राजपूत, द्वितीय ऋतिक राजपूत, तृतीय यश व सूरज, 61 किग्रा में प्रथम हनी, द्वितीय रोहित, तृतीय अरूण, तृतीय रवि, 65 किग्रा प्रथम श्रेय वर्मा, द्वितीय रिंकू, तृतीय लव, तृतीय सुमित रहे। 70 किग्रा में प्रथम संजय दत्त, द्वितीय कृष्ण कुमार, तृतीय ओमवीर, तृतीय दुर्गेश, 74 किग्रा प्रथम शिवम चाहल, द्वितीय विनीत, तृतीय समीर, तृतीय स्थान पर राहुल रहे। प्रतियोगिता के निर्णायक करतार पहलवान, आनन्द राघव, सुनील चौधरी, मुस्कान, दीपक, गोविन्द कुमार यादव, अभी, दिलीप गुप्ता आदि रहे। इस अवसर पर पवन सिसौदिया सचिव जिला कुश्ती संघ, अंकित अग्रवाल लेखाकार, सचिन विश्नोई फुटबाल प्रशिक्षक, ललिता चौहान व आसिफ सिद्दीकी बैडमिन्टन प्रशिक्षक, नरेश पाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

यूरोपा लीग : रियल सोसिदाद और मैनचेस्टर यूनाइटेड के बीच ड्रॉ, एथलेटिक बिलबाओ को अंतिम क्षणों में मिली हार

मैड्रिड

यूरोपा लीग के अंतिम-16 चरण के पहले चरण में रियल सोसिदाद और मैनचेस्टर यूनाइटेड के बीच मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। यह मैच बास्क टीम के रेले एरिना स्टेडियम में खेला गया।

मैच से पहले रियल सोसिदाद को झटका लगा जब स्पेनिश मिडफील्डर मार्टिन जुबिमेंडी बीमारी के कारण टीम से बाहर हो गए। उनकी अनुपस्थिति का असर टीम के खेल पर दिखा, क्योंकि यूनाइटेड ने पांच डिफेंडरों के साथ रक्षात्मक खेल अपनाया और काउंटर अटैक पर जोर दिया।

यूनाइटेड के लिए पहली कोशिश अलेजांद्रो गारनाचो ने की, लेकिन उनका शॉट सीधा गोलकीपर एलेक्स रेमिरो के हाथों में चला गया। दोनों टीमें रक्षात्मक रूप से मजबूत दिखीं, जिससे गोल के मौके कम बने।

जोशुआ जिर्कज़ी यूनाइटेड के लिए एक अच्छा मौका बना सकते थे, लेकिन अरित्ज़ एलुस्तोंदो ने उनके लगातार दो शॉट ब्लॉक कर दिए। वहीं, रियल सोसिदाद की ओर से आंद्रे ओनाना को पहले हाफ में कोई भी शॉट रोकने की जरूरत नहीं पड़ी।

दूसरे हाफ में पहला मौका गारनाचो को मिला, जिन्होंने फ्री-किक से अच्छा प्रयास किया, लेकिन गेंद पोस्ट के पास से बाहर चली गई।

यूनाइटेड के लिए जोशुआ जिर्कज़ी ने ब्रूनो फर्नांडिस के पास पर शानदार लेफ्ट फुट शॉट लगाकर टीम को बढ़त दिलाई। हालांकि, कुछ देर बाद फर्नांडिस के गैरजरूरी हैंडबॉल के कारण रियल सोसिदाद को पेनल्टी मिली, जिसे मिकेल ओयारजाबाल ने गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया।

रियल सोसिदाद के ब्राइस मेंडेज़ ने विजयी गोल करने की कोशिश की, लेकिन ओनाना ने उनके प्रयास को शानदार तरीके से बचा लिया।

दूसरी ओर, एथलेटिक बिलबाओ को अपने पहले चरण के मुकाबले में अंतिम क्षणों में हार का सामना करना पड़ा। रोम में खेले गए इस मुकाबले में एथलेटिक बिलबाओ को इटालियन क्लब रोमा के खिलाफ 2-1 से हार झेलनी पड़ी।

इनाकी विलियम्स ने 50वें मिनट में हेडर के जरिए एथलेटिक को बढ़त दिलाई, लेकिन छह मिनट बाद एंजेलिनो ने रोमा के लिए बराबरी का गोल किया। मैच के अंतिम क्षणों में बिलबाओ को 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा, क्योंकि डिफेंडर येराय अल्वारेज़ को दूसरा येलो कार्ड मिलने के कारण बाहर जाना पड़ा।

अंतिम सेकंड में एल्डोर शोमुरोदोव ने गोल कर रोमा को 2-1 से जीत दिला दी, जिससे एथलेटिक बिलबाओ के लिए वापसी करना मुश्किल हो गया।

बेन स्टोक्स को वनडे कप्तानी सौंपने पर विचार कर रहा इंग्लैंड : रॉब की

लंदन

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मैनेजिंग डायरेक्टर रॉब की का मानना है कि बेन स्टोक्स को वनडे कप्तानी सौंपने पर विचार न करना मूर्खता होगी। 2019 वर्ल्ड कप चैंपियन इंग्लैंड एक और खराब आईसीसी टूर्नामेंट से गुजर रहा है, जहां टीम 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप चरण में एक भी मैच जीते बिना बाहर हो गई। इसके बाद कप्तान जोस बटलर ने पद छोड़ दिया, जिससे अब इंग्लैंड क्रिकेट प्रबंधन के सामने टीम के भविष्य को संवारने के लिए अहम फैसला लेने की चुनौती है।

स्टोक्स, जो 33 साल के हैं, इंग्लैंड क्रिकेट में एक प्रेरणादायक खिलाड़ी रहे हैं और उन्होंने उन टीमों का हिस्सा बनकर बड़ी भूमिका निभाई, जिन्होंने एक समय पर दोनों व्हाइट-बॉल वर्ल्ड कप खिताब अपने नाम किए थे। हालांकि, उन्होंने 2023 वर्ल्ड कप के बाद वनडे प्रारूप से संन्यास ले लिया था। उन्होंने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने के संकेत दिए थे, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान लगी हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण यह संभव नहीं हो सका।

रॉब की ने एक बयान में कहा, 'बेन स्टोक्स सबसे बेहतरीन कप्तानों में से एक हैं, जिन्हें मैंने देखा है। इसलिए उन्हें नजरअंदाज करना गलत होगा। यह इस बात पर निर्भर करता है कि इससे क्या असर पड़ेगा। हम हर एक विकल्प पर विचार कर रहे हैं और देख रहे हैं कि कौन-सा फैसला सबसे सही रहेगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'स्टोक्स एक शानदार रणनीतिकार हैं, जैसा कि हमने टेस्ट क्रिकेट में देखा है, लेकिन वह लोगों को प्रेरित करने वाले लीडर भी हैं। जब दबाव ज्यादा होता है, तो वह टीम को संभालते हैं और सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। यही लक्षण एक अच्छे कप्तान में होने चाहिए। लेकिन हमें उनके वर्कलोड पर भी ध्यान देना होगा, ताकि किसी अन्य प्रारूप में उनकी उपलब्धता प्रभावित न हो।'

स्टोक्स ने बतौर टेस्ट कप्तान ब्रेंडन मैकुलम के साथ सफल साझेदारी बनाई है। मैकुलम को इस साल इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल फॉर्मेट का कोच नियुक्त किया गया था, लेकिन उनकी अगुवाई में इंग्लैंड को अब तक सीमित ओवरों के 11 मैचों में से 10 में हार का सामना करना पड़ा है।

रॉब की ने कहा कि टेस्ट और वनडे क्रिकेट की समानता को देखते हुए स्टोक्स और मैकुलम की जोड़ी वनडे फॉर्मेट में भी फायदेमंद साबित हो सकती है। उन्होंने भारत के उदाहरण का जिक्र करते हुए कहा कि वहां टी20 विशेषज्ञों का दबदबा है, लेकिन वनडे टीम की रीढ़ टेस्ट खिलाड़ी ही हैं।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि टेस्ट और वनडे क्रिकेट अब ज्यादा करीब आ चुके हैं, जबकि टी20 अब एक अलग प्रारूप की तरह हो गया है। भारत में भी टी20 क्रिकेट में नए खिलाड़ी आ रहे हैं, लेकिन वनडे में टेस्ट खिलाड़ी ही टीम की ताकत हैं।'

इसके अलावा, की ने युवा बल्लेबाज हैरी ब्रूक की कप्तानी क्षमता पर भी भरोसा जताया और कहा कि स्टोक्स की मौजूदगी उनके नेतृत्व कौशल को निखार सकती है। 26 वर्षीय ब्रूक को इंग्लैंड का भविष्य का कप्तान माना जाता है और उन्होंने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बटलर की गैरमौजूदगी में इंग्लैंड की वनडे टीम की कप्तानी भी की थी।

की ने कहा, 'मुझे लगता है कि हैरी ब्रूक एक शानदार कप्तान बन सकते हैं। बेन स्टोक्स की कप्तानी को लेकर मुझे पहले कुछ संदेह था, लेकिन उन्होंने जिस तरह नेतृत्व किया है, वह काबिलेतारीफ है। स्टोक्स की उपस्थिति ब्रूक के लिए भी फायदेमंद हो सकती है, क्योंकि अतिरिक्त जिम्मेदारी कई खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बेहतर बनाती है।'